श्री बंशीधर नगर शुक्रवार
12.06.2026
अधिक ज्येष्ठ कृष्णपक्ष द्वादशी संवत 2084
वर्ष : 04, अंक : 289

सूर्योदय-सूर्यास्त
उदय - 05:08 बजे
अस्त - 06:35 बजे

तापमान
अधिकतम : 43 डिग्री से.
न्यूनतम : 28 डिग्री से.

बंशीधर न्यूज

कलम है, तो आवाज़ बुलंद है...

डिजिटल अखबार www.banshidharnews.com

नशे के खिलाफ जागरण में सेविकाओं की भूमिका अहम >> पेज 03
रहस्य, संवेदनाएं और यथार्थ का संगम है 'द नर्मदा स्टोरी' >> पेज 05

सुविचार

आप देखिए, जीवन में बहुत से लोग जानते हैं कि क्या करना है, लेकिन बहुत कम लोग वास्तव में वही करते हैं जो वे जानते हैं।

न्यूज अपडेट्स

पानी से भरे गड्ढे में डूबकर दो बहनों की मौत

लातेहार। जिले के बारियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत बरवाडीह गांव में गुरुवार को पानी से भरे गड्ढे में डूबने से दो चचेरी बहनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान कामेश्वर गंझू की पुत्री प्रियंका कुमारी (11)और मनोज गंझू की पुत्री संजू कुमारी (9) के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, ईंट निर्माण के लिए मिट्टी की खुदाई के बाद वहां बड़ा गड्ढा छोड़ दिया गया था, जो हाल की बारिश के कारण पानी से भर गया था। गुरुवार दोनों बच्चियां घर से खेलने निकली थीं। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। इसी दौरान ग्रामीणों को हगनीगढ़ा स्थित गड्ढे में दोनों बच्चियों के शव पड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शवों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। बाद में घटना की जानकारी मिलते ही बारियातू थाना प्रभारी रंजन कुमार पासवान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

नीति आयोग

नीति आयोग की 11वीं बैठक में मुख्यमंत्री ने रखा सरकार का विजन

हमारा फोकस झारखंड के समग्र विकास पर : हेमन्त सोरेन

रांची। नई दिल्ली में नीति आयोग की 11वीं बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य के समग्र विकास पर बल दिया। उसकी विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और केंद्र से सहयोग की अपेक्षा की। समग्र विकास की विचारधारा को रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा तभी सार्थक होगी, जब उसे मानव पूंजी से जोड़ा जाए। उन्होंने झारखंड को केवल खनिज निकालने वाले राज्य के रूप में देखने की परंपरा से अलग विकास की यात्रा में साझेदार बनाने पर बल दिया। अपनी बातों को विस्तार से रखते हुए कहा कि राज्य के संसाधनों का राज्य में ही वैल्यू एडिशन हो, उससे जुड़ा मैनुफैक्चरिंग हो और राज्य की

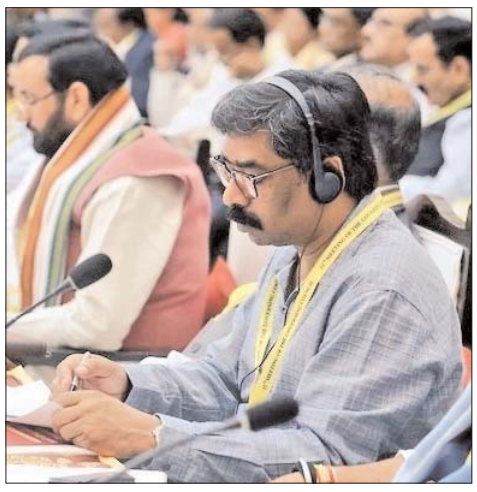

मानव पूंजी का उसमें उपयोग हो। उन्होंने केंद्र सरकार से क्रिटिकल मिनरल्स आधारित उद्योग विकसित करने के साथ साथ नॉलेज, रिसर्च और इनोवेशन के केंद्र विकसित करने में अपेक्षित सहयोग मांगा। टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन-एनर्जी,लॉजिस्टिक्स और एग्रो- फूड प्रोसेसिंग के बड़े निवेश को झारखंड में बढ़ावा देने की वकालत की। उन्होंने कहा कि माइनिंग और मिनरल्स क्षेत्र में एआई-बेस्ड मिनरल एक्सप्लोरेशन और सस्टेनेबल माइनिंग प्रैक्टिसेज को बढ़ावा देने और झारखंड को उद्योग एवं रोजगार का नया केंद्र बनाने की दिशा में प्रयास जारी है। केंद्र सरकार के सहयोग और मार्गदर्शन के हम आकांक्षी हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल को विकास का मूल आधार बताया। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के साथ राज्य को नई दिशा देने की बात कही। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य में 38 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों में से 15 हजार के पास भवन नहीं है। इसके बावजूद पोषण अभियान और सामर से कुपोषण में सुधार हुआ है। बच्चों को प्रतिदिन अंडा उपलब्ध कराया जा रहा है। 5000 नए आंगनबाड़ी भवन राज्य सरकार अपने संसाधनों से बना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस से अब आईईटी और मेडिकल में बच्चों का चयन होने लगा है । राज्य सरकार 5000 उत्कृष्ट विद्यालय बनाने के लक्ष्य पर काम कर रही है। उन्होंने पीएम श्री और केंद्रीय विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की मांग रखी। झारखंड में एनसीईआरटी का क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने का आग्रह भी किया गया। मुख्यमंत्री ने राज्य की विकास योजनाओं का खाका रखते हुए कहा कि राज्य हर साल एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ रहा है। सारथी योजना के तहत 6.76 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। एएआई, ईवी, ड्रोन और सोलर जैसे क्षेत्रों में युवाओं को तैयार किया जा रहा है। 53 हजार महिलाओं को आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को पंचायत स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया। हेमंत सोरेन ने बताया कि राज्य में 1276 दवा दुकानें ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हो रही हैं। मेडिकल कॉलेजों में यूजी और पीजी सीट बढ़ाने का प्रस्ताव लंबित है। एआई आधारित डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल बनाने की योजना पर भी काम चल रहा है। सोरेन ने कहा कि झारखंड के खिलाड़ी हॉकी, फुटबॉल और एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। राज्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने झारखंड में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की मांग की। खेल संघों में सुधार और पारदर्शिता की जरूरत पर भी उन्होंने जोर दिया।नीति आयोग की शासी परिषद की 11 वीं बैठक में हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में 10 लाख से अधिक पोषण वाटिकाएं विकसित की गई हैं। 1.5 लाख एकड़ में फलदार पौधरोपण किया गया है। झारखंड का आम अब अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच रहा है। उन्होंने कृषि को कुपोषण से लड़ने के प्रभावी साधन के रूप में प्रस्तुत किया।

सड़क हादसे में परिवार के पांच लोगों की मौत

गुमला। बसिया-कोलेबीरा थाना क्षेत्र के सीमांत स्थित अघरमा गांव में गुरुवार को एक सड़क हादसे में तीन मासूम बच्चों सहित पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार स्कॉर्पियो (जेएच 01 बी एम 54 54) में सवार एक ही परिवार के नौ लोग लोहरदगा से कोलेबिरा प्रखंड के लसिया मेहमानी आ रहे थे। कार जब अघरमा गांव के समीप पहुंची तो चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और कार सड़क के किनारे एक पेड़ से जा टकराई। इस दौरान

स्कार्पियों की रफ्तार काफी तेज थी। लिहाजा कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में मरने वालों की पहचान लोहरदगा निवासी 58 वर्षीय गुलाम मुस्तफा, 5 वर्षीय अर्श हाशमी, 3 वर्षीय अनाबिया परवीन, 55 वर्षीय गुलशन और लसिया कोलेबिरा प्रखंड निवासी डेढ़ वर्षीय आयरा परवीन रूप में हुई। गुलाम मुस्तफा एवं गुलशन दोनों पति-पत्नी थे। दुर्घटना के बाद वाहन में सवार लोगों की रोने की आवाज सुनकर अगल-बगल के लोग दुर्घटना स्थल पहुंचे। दुर्घटनाग्रस्त वाहन में फंसे सभी घायलों को किसी तरह बाहर निकाला। ग्रामीणों ने 108 एंबुलेंस को फोन किया जो आधा घंटे की देरी पहुंची। इस बीच कुछ घायलों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही कोलेबिरा पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची और गंभीर रूप से घायल एक महिला-एक पुरुष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। मगर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। स्थानीय ग्रामीणों ने अपने-अपने वाहनों से अन्य घायलों को उठाकर तत्काल कोनबीर रेफरल अस्पताल ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने 5 वर्षीय उमर नवाज, पिता अर्श नवाज, 28 वर्षीय हिना परवीन, 33 वर्षीय अकरम खलीफा एवं 30 वर्षीय नेहा परवीन को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। वहीं, पुलिस ने मृतक के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया।

बंगाल के संदेशखाली में तालाब से 16 आग्नेयास्त्र व 2345 कारतूस बरामद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली हथियार मामले में राज्य पुलिस की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) को जांच के दौरान एक और बड़ी सफलता मिली है। ताजा कार्रवाई में बसिरहाट पुलिस जिला क्षेत्र में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान गुरुवार को एक तालाब से 16 अतिरिक्त आग्नेयास्त्र और 2345 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। एसटीएफ द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कार्रवाई बसिरहाट और बारुईपुर क्षेत्र में चल रहे संयुक्त अभियान का हिस्सा है। इस बरामदगी के साथ ही पूरे मामले में अब तक कुल 51 आग्नेयास्त्र और 2705 जिंदा कारतूस जब्त किए जा चुके हैं। पुलिस ने पुष्टि की है कि विशेष थाना मामला संख्या 18/2026 के तहत जांच आगे बढ़ाई जा रही है। ताजा बरामदगी के दौरान सुरक्षा बलों ने एक तालाब से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद निकाला, जिन्हें पहले चादरों में लपेटकर छिपाया गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस तरह की बरामदगी से यह संकेत मिलता है कि इलाके में अवैध हथियारों का संगठित नेटवर्क सक्रिय था और उसे लेकर जांच का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। इसके पहले 6 जून को पहले छापेमारी की गई थी जिस दौरान हथियार बरामद हुए थे। पहले, संदेशखाली क्षेत्र में एसटीएफ ने सरबेरिया, आकुंजीपाड़ा, बसंती और कुमड़ेखाली सहित कई इलाकों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की थी। उस दौरान 17 से अधिक आग्नेयास्त्र और 35 राउंड गोलियां बरामद की गई थीं, साथ ही छह लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री का जल संरक्षण को बढ़ावा देने का आह्वान

कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक अवसर, कौशल विकास पर बल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में अल-नीनो की संभावित चुनौतियों को देखते हुए जल संरक्षण तथा प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने आकांक्षी जिलों के मानकों के आधार पर प्रगति के मूल्यांकन और विकसित भारत@2047 के लक्ष्य के लिए स्पष्ट निगरानी व्यवस्था, 100-दिवसीय तथा पांच वर्षीय लक्ष्यों की आवश्यकता पर जोर दिया। नीति आयोग की शीर्ष बैठक में पहली बार सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद बैठक की अध्यक्षता की। इस साल का विषय विकसित भारत@2047 के लिए समावेशी मानव विकास था। इसमें 28 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उप-राज्यपाल और प्रशासक शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत@2047 का संकल्प देश के हर राज्य, जिले, ब्लॉक और गांव का सामूहिक लक्ष्य बनना चाहिए। उन्होंने 70 करोड़ युवाओं को भारत की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए राज्यों से जनसांख्यिकीय लाभांश को

विकास लाभांश में बदलने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने युवाओं और एमएसएमई के लिए अवसर बढ़ाने, विदेशी निवेश आकर्षित करने, एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) और रक्षा विनिर्माण को प्रोत्साहन देने पर बल दिया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अवसर बताते हुए भविष्य उन्मुख कौशल विकास, जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती तथा साइबर अपराध और नशे जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता बताई। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार बैठक में मुख्यमंत्रियों, उप-राज्यपालों व प्रशासकों ने प्रधानमंत्री मोदी को उनके पद पर 12 साल पूरे करने पर बधाई दी। उन्होंने वैश्विक भू-राजनीतिक संकट का सामना करने और ऊर्जा जरूरतों के मामले में भारत की मजबूती बढ़ाने और विकास की गति को बनाए रखने के लिए केंद्र के साथ एकजुटता भी व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कहा कि चचाएं रचनात्मक थीं और इनमें राज्यों की आकांक्षाओं, उम्मीदों, अनुभवों, बेहतरीन तौर-तरीकों और चुनौतियों की झलक मिली। प्रधानमंत्री ने बैठक में भाग लेने के लिए सभी मुख्यमंत्रियों, उप-राज्यपालों और प्रशासकों का आभार व्यक्त किया और भरोसा जताया कि सहयोग, इनोवेशन और विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता के जरिए भारत 2047 तक 'विकसित भारत' की अपनी यात्रा को तेज कर सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे समय में जब कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अनिश्चितता और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही हैं, भारत की विकास गाथा दुनिया को प्रेरित कर रही है। उन्होंने आत्मनिर्भरता के प्रति देश के संकल्प को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया और वैश्विक स्तर पर अपनाए जाने वाले सर्वोत्तम तरीकों (बेस्ट प्रैक्टिसेज) को अपनाने और लागू करने के महत्व को रेखांकित किया, खासकर नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में। सहकारी संघवाद के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि 'विकसित भारत' का विजन हर राज्य, जिले, ब्लॉक और गांव का सामूहिक संकल्प बनना चाहिए। प्रधानमंत्री ने अल-नीनो (अल नीनो) की स्थितियों से जुड़ी चिंताओं की ओर भी ध्यान दिलाया और राज्यों से जल संरक्षण को बढ़ावा देने और प्राकृतिक व जैविक खेती के तरीकों को प्रोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मौजूदा खरीफ सीजन के दौरान किसानों द्वारा 11 लाख टन जैविक खाद की खरीद टिकाऊ खेती में बढ़ते भरोसे को दिखाती है। प्रधानमंत्री ने ज़िला स्तर पर, खासकर आकांक्षी जिलों के पैमानों के जरिए प्रगति का मूल्यांकन करने की जरूरत पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि इसी तरह, सकारात्मक नतीजे लाने के लिए कृषि के क्षेत्र में भी 100 ज़िलों की पहचान की जानी चाहिए। उन्होंने राज्यों से इस दिशा में पहल करने का आग्रह किया ताकि 'एस्पिरेशनल अप्रोच' (आकांक्षी दृष्टिकोण) के जरिए जबरदस्त बदलाव लाया जा सके।

चारों मंत्री तत्काल सिपाहियों और चपरासियों से मांगे माफी, नहीं तो आंदोलन : भानु

रांची। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही ने बीते दिनों विधानसभा में कांग्रेसी मंत्रियों शिल्पा नेहा तिर्की , दीपिका सिंह पांडेय, इरफान अंसारी और राधा कृष्ण किशोर के जरिये वहां के गार्ड, मार्शल, सिपाहियों और चपरासियों के साथ किए गए आचरण को अर्मयादित बताते हुए इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कांग्रेसी मंत्रियों की मानसिकता इतनी गिर गई है कि अब ये सिपाहियों और चपरासियों से लड़ाई कर रहे हैं। अपनी निराशा और हताशा की कुंठा इनपर निकाल रहे हैं। यह अनुचित और दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि दरअसल कांग्रेसियों को मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पार्टी से खीझ है। अब भला वे इन पर गुस्सा उतारे तो कैसे उतारें। अगर कांग्रेसी, मुख्यमंत्री और झामुमो पर गुस्सा उतारते हैं तो ये झारखंड की कुर्सी से ही उतार दिए जाएंगे। इसलिए कहीं का गुस्सा, कहीं और उतार रहे हैं। अब मुख्यमंत्री और झामुमो के नेता कांग्रेसियों को भाव नहीं दे रहे हैं तो भला इसमें सिपाहियों और चपरासियों का क्या दोष।

प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि देश भर में कांग्रेसियों की जो हालत हो गई है कि इससे समझा जा सकता है कि अपनी पीड़ा को कुछ कम करने के लिए ये दिन भर भाजपा को पानी पी-पीकर कोसते रहते हैं। बेशक आप हमें कोसिये लेकिन सिपाही और चपरासियों के साथ किया गया आपका कृत्य बर्दाश्त से बाहर और शर्मनाक है। चाहे चपरासी हो या सिपाही, सभी हमारे समकक्ष हैं, हमारे परिवार हैं। ऐसी सोच रखने की बजाय कांग्रेस के चारों मंत्रियों ने उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया। अपनी करनी के लिए इन मंत्रियों को सार्वजनिक रूप से तत्काल सिपाहियों और चपरासियों से माफी मांगनी चाहिए। अगर ये लोग ऐसा नहीं करते हैं तो इनके खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। प्रदेश उपाध्यक्ष ने पूरे प्रदेश के तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों से भी आग्रह किया है कि वे सभी इन चारों मंत्रियों का बहिष्कार और विरोध करें। साथ ही अपने संघ से भी इनका विरोध कराएं। जहां कहीं भी ये मंत्री दौरे पर जाएं, वहां के सिपाही और चपरासी इन मंत्रियों को न सैल्यूट करें और न ही उनकी सेवा करें। जो कृत्य इन्होंने किया है, ये थोड़े भी सम्मान के लायक कतई नहीं हैं।

न्यूज अपडेट्स

गर्ल्स हॉस्टल की छत से गिरकर पश्चिम बंगाल की छात्रा की मौत

रांची। रांची के लालपुर थाना क्षेत्र स्थित लोहराकोचा में एक गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली 19 वर्षीय छात्रा की गुरुवार देर शाम हॉस्टल की छत से गिरने की वजह से मौत हो गई। हॉस्टल संचालक की ओर से मामले की जानकारी लालपुर थाना पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। मौके पर एफएसएल की टीम को बुलाकर जांच भी करवाई गई । पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला हादसा का लग रहा है हालांकि पुलिस खुदकुशी और हत्या दोनों ही बिंदुओं पर जांच कर रही है। लालपुर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक छात्रा पश्चिम बंगाल के कुल्टी की रहने वाली थी। लालपुर इलाके में स्थित गर्ल्स हॉस्टल में वह रहकर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। इस संबंध में लालपुर थाना प्रभारी रुपेश कुमार सिंह ने बताया कि हॉस्टल के चौथे माले से गिरकर गायत्री नाम की छात्रा की मौत हो गई है। जांच में यह बात भी सामने आई है कि लड़की को मिर्गी के दौरे आते थे। हॉस्टल में आने से पहले परिजनों के जरिये जो फॉर्म भर गया था उसमें गायत्री की इस बीमारी के बारे में भी बताया गया है। लालपुर पुलिस फिलहाल मामले की गहराई से जांच पड़ताल कर रही है। मृत छात्रा के परिजनों को भी मामले की जानकारी दी गई है उनके आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसआईआर अनमैप्ड मतदाताओं से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का आह्वान

15 जून तक करा लें अपनी मैपिंग

रांची। झारखंड मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के पूर्व मतदाताओं के मैपिंग की प्रक्रिया 15 जून तक चलेगी। इसके बाद इन्यूमरेशन फॉर्म के छपाई और ट्रैनिंग के कार्य किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 23 मई से अनमैप्ड मतदाताओं की सूची सभी मतदान केंद्रों एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के वेबसाईट पर सर्चेवल फॉर्मेट में प्रकाशित करने के बाद इस प्रक्रिया में तेजी आई है। वर्तमान में कुल 78.60प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है। अनझमैप्ड मतदाता अपने बीएलओ से संपर्क कर विगत गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से अपनी मैपिंग करवा रहें है। वर्तमान में मैप्ड मतदाताओं की संख्या 2,08,06,211 है, अनझमैप्ड मतदाता सूची के प्रकाशन (23 मई) के बाद कुल 14,03,354 मतदाताओं की मैपिंग की गई है।

के रवि कुमार ने कहा कि अनमैप्ड मतदाता ईसीआइएनईटी के ऐप के कनेक्ट विथ इलेक्शन ऑफिशल्स टैब पर क्लिक कर अपने मतदाता पहचान पत्र का क्रमांक भरकर अपने बीएलओ का फोन नंबर प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ साथ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के ऑफिशियल वेबसाईट सीईओ डॉट झारखंड डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर अनमैप्ड मतदाता सूची में अपने विवरण समर्पित करते हुए अपने मतदान केंद्र की अनझमैप्ड सूची और अपने बीएलओ का नाम एवं मोबाइल नंबर भी जान सकते हैं । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी अनमैप्ड मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे अपने सुविधानुसार अपने बीएलओ से संपर्क करें और मैपिंग की प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है, इस प्रक्रिया में गैर भारतीय नागरिक भाग न लें।

महिलाओं को लेकर मंत्री इरफान अंसारी का बयान शर्मनाक, बर्खास्त करें मुख्यमंत्री : गीता कोड़ा

रांची। भाजपा ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के जरिये महिलाओं के संदर्भ में दिए गए उनके एक बयान पर कड़ी नाराजगी जताई है। पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष गीता कोड़ा ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इरफान अंसारी की ओर से महिलाओं के चेहरे की चमक बढ़ जाने जैसे शब्द का प्रयोग करना पूरे महिला समाज का अपमान है। यह बयान शर्मनाक और निंदनीय है। कांग्रेस नेताओं और खासकर इरफान अंसारी के जरिये महिलाओं को लेकर दिया गया यह कोई पहला आपत्तिजनक बयान नहीं है। इसके पहले भी महिलाओं के खिलाफ मंत्री आपत्तिजनक बयान दे चुके हैं। इससे पहले महिलाओं के लिए गलत शब्दों का प्रयोग कर अपमानित कर चुके हैं। यही नहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ भी कांग्रेसी आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग कर चुके हैं। कोड़ा ने कहा कि इरफान अंसारी का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। इनका इलाज कराना जरूरी है। राज्य सरकार को तत्काल इन्हें रिनपास में भर्ती करा देना चाहिए। प्रदेश उपाध्यक्ष ने हेमंत सरकार से स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को अविलंब बर्खास्त करने की मांग की है।

देश की प्रगति का श्रेय किसी एक दल को नहीं बल्कि करोड़ों नागरिकों का : कांग्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने कहा है कि नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की ओर से केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर दिया गया पूरी तरह भ्रामक और जनता को गुमराह करने वाला है। पार्टी के प्रदेश कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा सिन्हा ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भाजपा नेताओं की ओर से पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियों का स्वर्णिम काल बताना देश की वास्तविक परिस्थितियों से आंखें मूंद लेने जैसा है। उन्होंने कहा कि यदि यह कालखंड इतना ही ऐतिहासिक रहा होता तो आज देश का युवा रोजगार के लिए दर-दर नहीं भटक रहा होता, किसान अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए सड़कों पर आंदोलन करने को विवश नहीं होते। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने सबका साथ, सबका विकास का नारा तो दिया, लेकिन वास्तविकता यह है कि देश में बेरोजगारी दर पिछले कई दशकों में सबसे गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। करोड़ों युवाओं को प्रतिवर्ष दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया गया था, लेकिन आज सरकारी विभागों में लाखों पद खाली पड़े हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मानती है कि देश की प्रगति का श्रेय किसी एक व्यक्ति या एक दल को नहीं बल्कि देश के करोड़ों मेहनतकश नागरिकों, किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और पूर्ववर्ती सरकारों के योगदान को जाता है। भाजपा का अहंकार और आत्मप्रशंसा का अभियान देश की वास्तविक समस्याओं को नहीं छिपा सकता। कांग्रेस जनता के मुद्दों–रोजगार, महंगाई, किसानों के अधिकार, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा–को मजबूती से उठाती रहेगी और भाजपा सरकार को उसके वादों और विफलताओं के लिए जवाबदेह बनाती रहेगी।

परिसीमन 8 5वीं अनुसूची की सुरक्षा को लेकर आंदोलन करेंगे आदिवासी संगठन

रांची। कई आदिवासी संगठनों ने परिसीमन, जनगणना में सरना धर्म कोड और पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों की सुरक्षा को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। प्रेस क्लब, करमटोली में आयोजित प्रेस वार्ता में गुरुवार को जिन संगठनों ने आंदोलन की बात कही है उनमें आदिवासी छात्र संघ, झारखंड, राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा भारत और सरना धर्म सोतोः समिति, खूंटी शामिल हैं। मौके पर सुशील उरांव और अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि झारखंड की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और संवैधानिक पहचान से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों की लगातार उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित परिसीमन, आगामी जनगणना में सरना धर्म कोड की अनुपस्थिति और पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों के संवैधानिक प्रावधानों के कमजोर क्रियान्वयन को लेकर आदिवासी समाज में गहरी चिंता है। मथुरा कांडिर ने कहा कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाया गया तो आदिवासी समाज के राजनीतिक एवं संवैधानिक अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। संगठनों ने मांग की कि परिसीमन में अनुसूचित जनजातियों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, जनगणना में सरना धर्म के लिए पृथक धर्म कोड लागू किया जाए, पांचवीं अनुसूची और पेसा कानून का प्रभावी क्रियान्वयन हो और आरक्षित सीटों एवं राजनीतिक अधिकारों में किसी प्रकार की कटौती न हो। प्रतिनिधियों ने बताया कि आंदोलन के प्रथम चरण में ज्ञापन सौंपा जाएगा, दूसरे चरण में जनजागरण अभियान और प्रेस वार्ता आयोजित होंगी, जबकि तीसरे चरण में जिला और प्रखंड स्तर पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। प्रेसवार्ता में सुशील उरांव, विद्यासागर केरकेट्टा, संजय पाहान, रेनू उरांव, मथुरा कांडिर सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री आवास घेराव का प्रयास, पुलिस ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोका

कृषि भूमि पर रिम्स-2 निर्माण के विरोध में पदयात्रा

रांची। नगड़ी की उपजाऊ कृषि भूमि पर प्रस्तावित रिम्स-2 के निर्माण के विरोध में गुरुवार को आदिवासी समाज, किसानों और ग्रामीणों ने पदयात्रा निकालकर मुख्यमंत्री आवास घेराव का प्रयास किया। हालांकि मोरहाबादी क्षेत्र में पुलिस प्रशासन ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण और सामाजिक कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को दोहराया। प्रदर्शन में नगड़ी और आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जिस भूमि पर रिम्स-2 निर्माण की योजना बनाई गई है, वह अत्यंत उपजाऊ कृषि भूमि है और वर्षों से स्थानीय किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार रही है। उनका आरोप है कि अस्पताल निर्माण से कृषि गतिविधियां प्रभावित होंगी और अनेक किसान परिवारों के समक्ष आजीविका का संकट उत्पन्न हो जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मोरहाबादी में

भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। बैरिकेडिंग के कारण पदयात्रा मुख्यमंत्री आवास तक नहीं पहुंच सकी, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराया। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता बलकु उरांव ने कहा कि झारखंड आंदोलन के नेता दिवंगत शिबू सोरेन हमेशा कृषि योग्य भूमि की रक्षा के पक्षधर रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार उनके सिद्धांतों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। उन्होंने सरकार से किसानों की भावनाओं का सम्मान करते हुए परियोजना के लिए वैकल्पिक भूमि चयन करने की मांग की। सामाजिक कार्यकर्ता शीतल कच्छप ने कहा कि आंदोलन विकास विरोधी नहीं है। ग्रामीण किसी प्रकार का मुआवजा नहीं चाहते, बल्कि उनकी मांग है कि रिम्स-2 का निर्माण उपजाऊ कृषि भूमि के बजाय किसी अन्य उपयुक्त स्थल पर किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर विचार नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। प्रदर्शन में बडी संख्या में ग्रामीण सहित अन्य लोग मौजूद थे।

धुरकी थाना का जागरूकता अभियानः सड़क सुरक्षा से साईबर अपराध तक ग्रामीणों को किया गया जागरूक

बंशीधर न्यूज

धुरकी : थाना क्षेत्र अंतर्गत कदवा/भंडार गांव में स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा, साईबर सुरक्षा, दहेज निषेध अधिनियम, मद्य निषेध, डायन-भूत जैसी अंधविश्वासी प्रथाओं, डायल 112 एवं अन्य सामाजिक कुरीतियों के संबंध में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीणों को विभिन्न सामाजिक एवं कानूनी विषयों की जानकारी देते हुये उन्हें जागरूक और सतर्क रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये थाना प्रभारी जनार्दन राउत ने कहा कि समाज में जागरूकता ही अपराध और सामाजिक बुराईयों को रोकने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने लोगों से सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की अपील की। साईबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुये उन्होंने लोगों को मोबाईल, बैंक खाता, ओटीपी और अन्य गोपनीय जानकारियां किसी अनजान व्यक्ति से साझा नहीं करने की सलाह दी। थाना प्रभारी ने दहेज प्रथा को समाज के लिये अभिशाप बताते हुये इसके खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि डायन-भूत जैसी अंधविश्वासपूर्ण कुरीतियां समाज को पीछे धकेलती हैं, इसलिये वैज्ञानिक सोच और शिक्षा को बढ़ावा देना आवश्यक है। मद्य निषेध कानून की जानकारी देते हुये उन्होंने शराब के सेवन और अवैध कारोबार से दूर रहने की अपील की। साथ ही उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति, अपराध, दुर्घटना या अन्य परेशानी की सूचना तत्काल डायल 112 पर देकर पुलिस की सहायता प्राप्त की जा सकती है। ग्रामीणों ने अभियान की सराहना करते हुये सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने और कानून का पालन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को जागरूक बनाकर सुरक्षित, शिक्षित और अपराधमुक्त समाज का निर्माण करना था।

न्यूज अपडेट्स

जलमीनार में लगा नया सोलर पैनल, पेयजल संकट दूर

मोहम्मदगंज : मोहम्मदगंज स्टेशन रोड स्थित जगदेव चौक के समीप बने जलमीनार का सोलर पैनल आंधी-तूफान में क्षतिग्रस्त होने से उत्पन्न पेयजल संकट का समाधान कर दिया गया है। बीडीओ के निर्देश पर 15 वें वित्त आयोग मद से गुरुवार को जलमीनार में नया सोलर पैनल स्थापित कर दिया गया, जिससे पेयजल आपूर्ति पुनः बहाल हो गई है। ज्ञात हो कि 29 मई को आये तेज आंधी-तूफान के दौरान जलमीनार का सोलर पैनल स्टैंड सहित गिरकर क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके कारण मोटर बंद हो गई और स्टेशन रोड बाजार क्षेत्र में पानी की आपूर्ति ठप हो गई थी। इससे स्थानीय ग्रामीणों, दुकानदारों, राहगीरों तथा निकटवर्ती आंगनबाड़ी केंद्र को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। समस्या को लेकर ग्रामीणों ने बीडीओ को आवेदन देकर सोलर पैनल की मरम्मत अथवा नया पैनल लगाने की मांग की थी। मामले की जानकारी मुखिया कमला देवी, प्रमुख अर्चना देवी तथा जिला परिषद सदस्य अंजू देवी को भी दी गई थी। ग्रामीणों की मांग और जनहित को देखते हुये प्रखंड प्रशासन ने त्वरित पहल की। बीडीओ के आदेशानुसार मुखिया कमला देवी द्वारा 15 वें वित्त मद से नया सोलर पैनल लगवाया गया। इस कार्य को सफल बनाने में सांसद प्रतिनिधि महेन्द्र प्रसाद सिंह, विधायक प्रतिनिधि पच्चु रजवार तथा राजद नेता सिद्धार्थ कुमार का सराहनीय योगदान रहा। नया सोलर पैनल लगने के बाद जलमीनार से पेयजल आपूर्ति पुनः शुरू हो गई है, जिससे क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है और जनप्रतिनिधियों व प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पलामू जागरूकता कार्यशाला में डीसी ने कहा

नशे के खिलाफ जागरण में सेविकाओं की भूमिका अहम

बंशीधर न्यूज

मेदिनीनगर : समाज कल्याण विभाग की ओर से निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध 15 जून से 26 जून तक चलाए जाने वाले राज्यव्यापी जागरूकता अभियान को लेकर गुरुवार को समाहरणालय सभागार में प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

उस मौके पर डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि नशे की लत केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देती है। वर्तमान समय में युवाओं के साथ-साथ बच्चों का नशे की गिरफ्त में आना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी सेविकाएं और सहायिकाएं समाज के सबसे निचले स्तर तक जुड़ी हुई हैं। नशा उन्मूलन अभियान को सफल बनाने में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। वे रचनात्मक माध्यमों से गांव-गांव और घर-घर तक नशा विरोधी संदेश पहुंचाएं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, लेडीज सुपरवाइजरों और आंगनबाड़ी सेविकाओं ने नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक शपथ ली। इस अवसर पर डीडीसी सादात अनवर, सीएस डॉ. अनिल, डीएसडब्ल्यूओ नीता चौहान, डीईओ सौरभ कुमार और डीपीओ शिशिर तिग्गा सहित बड़ी संख्या में विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

नशा मुक्ति के लिए डीसी ने जागरूकता रथ किया रवाना

मेदिनीनगर : डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने पलामू जिले में नशा मुक्त समाज के निर्माण को लेकर समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों और गांवों में पहुंचकर लोगों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों तथा नशा मुक्ति के महत्व के प्रति जागरूक करेगा। डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने तथा इसके अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ प्रशासन द्वारा सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि समाज, विशेषकर किशोरों और युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए राज्य सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर सीएस, डीडब्ल्यूओ प्यारे लाल, डीएसडब्ल्यूओ नीता चौहान, सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अनुपस्थित राइस मिलर्स को शो कॉज, कार्य संतोषप्रद नहीं पाये जाने पर एजीएम से भी मांगा स्पष्टीकरण

मेदिनीनगर : डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने आपूर्ति विभाग से संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा बैठक की। डीसी ने धोती-साड़ी वितरण, नमक वितरण तथा चना दाल वितरण की प्रगति की बारीकी से जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि जिले में सोना-सोबरन धोती-साड़ी योजना के तहत अब तक 84.05 प्रतिशत वितरण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। उन्होंने राशन वितरण एवं डोर स्टेप डिलीवरी की समीक्षा करते हुए सभी एमओ एवं संबंधित अधिकारियों को लाभुकों तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही जिन लाभुकों द्वारा खाद्यान्न का उठाव नहीं किया जा रहा है, उनकी जांच कर अयोग्य, मृत अथवा डुप्लीकेट राशन कार्डधारियों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही। बैठक में कई राइस मिलर्स के बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर नाराजगी जताते हुए उन्हें शो कॉज करने तथा कुछ एजीएम के कार्य संतोषप्रद नहीं पाये जाने पर उनसे भी स्पष्टीकरण की मांग की गयी। डीसी ने एजीएम एवं एमओ को आपस में बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करने पर बल दिया।

पुलिस क्षेत्रीय खेल-कूद प्रतियोगिता का उद्घाटन

गढ़वा : पलामू क्षेत्रीय पुलिस खेल-कूद प्रतियोगिता का उद्घाटन गुरुवार को पुलिस केंद्र गढ़वा स्थित परेड ग्राउंड में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पुलिस उप-महानिरीक्षक कौशल किशोर ने तिरंगे के प्रतीक गुब्बारे और श्वेत कबूतर उड़ाकर किया। यह प्रतियोगिता 10 जून से 12 जून 2026 तक आयोजित की जा रही है, जिसमें कुल 10 खेल स्पधाएं शामिल हैं। इसमें गढ़वा, पलामू एवं अन्य क्षेत्रों से लगभग 300 पुलिसकर्मी प्रतिभाग कर रहे हैं। अपने संबोधन में अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के आयोजन पुलिस बल में शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ मानसिक मजबूती, टीम भावना और आपसी समन्वय को बढ़ावा देते हैं। प्रतियोगिता का उद्देश्य पुलिसकर्मियों के बीच भाईचारे को मजबूत करना और कार्यक्षमता में सुधार लाना है। कार्यक्रम के दौरान मैदान में खिलाड़ियों का उत्साह देखने लायक था। विभिन्न खेल स्पधाओं के माध्यम से प्रतिभागी पुलिसकर्मी अपनी खेल प्रतिभा और अनुशासन का प्रदर्शन कर रहे हैं। उद्घाटन समारोह के बाद प्रतियोगिताओं की औपचारिक शुरूआत की गई। मौके पर डीसी पशुपति नाथ मिश्रा, पुलिस अधीक्षक सह संगठन सचिव आशुतोष शेखर, पुलिस अधीक्षक पलामू कपिल चौधरी तथा कमांडेंट 172 बीएनसीआरपीएफ गढ़वा नृपेंद्र कुमार सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में तीनों जिलों के प्रतिभागी पुलिसकर्मी, स्थानीय नागरिक एवं मीडिया प्रतिनिधियों की संख्या में उपस्थिति थी।

पीडीएस एवं खाद्य सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा बैठक, डीसी ने पारदर्शिता व समयबद्ध वितरण के दिये निर्देश

गढ़वा : समाहरणालय के सभागार में डीसी पशुपति नाथ मिश्रा की अध्यक्षता में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) एवं खाद्य सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में खाद्यान्न वितरण, राइटफुल टार्गेटिंग, ई-केवाईसी, लंबित आवेदनों एवं शिकायतों के निष्पादन सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत जून 2026 माह के खाद्यान्न उठाव, डोर-स्टेप डिलीवरी और वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुये डीसी ने निर्देश दिया कि सभी लाभुकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाय। उन्होंने वितरण प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। समीक्षा के दौरान जुलाई से सितंबर 2025 तक नमक वितरण तथा सितंबर 2025 के चना दाल वितरण की प्रगति पर भी चर्चा हुई। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पहुंचे और किसी प्रकार की शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई की जाय। बैठक में राइटफुल टार्गेटिंग अभियान के तहत संदिग्ध आधार संख्या, 18 वर्ष से कम एवं 100 वर्ष से अधिक आयु वाले सदस्यों के सत्यापन, साईलेंट राशन कार्डधारियों और डुप्लीकेट लाभुकों की समीक्षा की गई। डीसी ने अपात्र लाभुकों की पहचान कर सूची को अद्यतन करने का निर्देश दिया, ताकि वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को लाभ मिल सके। इसके अलावा ई-केवाईसी, रिक्त एवं लंबित आवेदनों, एजीआरएस एवं पीजीएमएस से प्राप्त शिकायतों के निष्पादन तथा पीडीएस दुकानों की निलंबित अनुज्ञप्तियों की भी समीक्षा की गई। डीसी ने सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में एसी विकास कुमार राय, डीएसओ देवानंद राम, सभी एमओ, जनसेवक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता अभियान के तहत विश्रामपुर पंचायत में कार्यक्रम

पेयजल संकट समाधान की दी जानकारी

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा के निर्देश पर चलाये जा रहे 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता कार्यक्रम के तहत रंका प्रखंड के विश्रामपुर पंचायत में जागरूकता अभियान तेज किया गया है। इस क्रम में पीएलवी राजेश कुमार चौधरी द्वारा लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को विभिन्न कानूनी एवं सामाजिक मुद्दों पर जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत गांव जोड़ो अभियान की शुरूआत की गई, जिसका उद्देश्य सामाजिक विकास को बढ़ावा देना, महिलाओं एवं बालिकाओं पर होने वाली घरेलू हिंसा को रोकना तथा बाल विवाह मुक्त समाज का निर्माण करना है। पीएलवी ने ग्रामीणों को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इसी दौरान ग्रामीणों ने कस्मार गांव की गंभीर पेयजल समस्या को उठाया। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2021 में लाखों रुपये की लागत से निर्मित पेयजल टंकी आज तक एक बूंद पानी भी उपलब्ध नहीं करा सकी है। इसके कारण ग्रामीण आज भी भटकुआं सहित अन्य असुरक्षित जल स्रोतों पर निर्भर हैं। लोगों ने निर्माण कार्य में तकनीकी अनियमितताओं का आरोप भी लगाया।

इस संबंध में पीएलवी ने पंचायत सचिव सुष्मिता चौबे को जानकारी दी। सचिव ने खराब चापाकलों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया और आश्वासन दिया कि जल जीवन मिशन के तहत कस्मार गांव में शीघ्र सोलर जल मीनार एवं सोलर पैनल की व्यवस्था की जायेगी। वहीं पंचायत के वार्ड सदस्य लंदलाल सिंह के माध्यम से कार्य पूरा कराने की बात कही गई। साथ ही समाजसेवी विवेक सिंह ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण गांव में जल संकट गंभीर है, जिसे डीप बोरिंग और जल जीवन मिशन के माध्यम से स्थायी समाधान देने का प्रयास किया जायेगा। अभियान के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन से पेयजल व्यवस्था को जल्द दुरुस्त करने की मांग की।

सात दिनों में राशि जमा नहीं करने पर होगी नीलाम पत्र वाद की कार्रवाईः सुनील कुमार

अवैध खनन पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, दो लोगों पर 12 लाख रुपये से अधिक जुर्माना

बंशीधर न्यूज

मेदिनीनगर : पलामू जिला प्रशासन ने अवैध खनन के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए हरिहरगंज थाना क्षेत्र के दो लोगों के खिलाफ 12 लाख रुपये से अधिक की वसूली का आदेश जारी किया है। डीएमओ सुनील कुमार ने सुलतानी गांव निवासी राहुल सिंह एवं मनीष सिंह को नोटिस जारी कर अवैध रूप से मोरम खनिज के उत्खनन एवं परिवहन का दोषी पाया है। दोनों को कुल 12 लाख 9 हजार 455 रुपये जुमार्ना सात दिनों के भीतर जमा करने का निर्देश दिया गया है। डीएमओ सुनील कुमार ने बताया कि अररुआ खुर्द क्षेत्र में अवैध खनन की शिकायत मिलने पर खनन विभाग द्वारा जांच कराई गई थी। मामले में पूर्व में कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था, जिसे ई-मेल एवं व्हाट्सएप के माध्यम से संबंधित व्यक्तियों तक भेजा गया था। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बावजूद उनकी ओर से कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि 12 फरवरी 2026 को खनन निरीक्षकों द्वारा किए गए संयुक्त निरीक्षण में 3882.43 घनमीटर मोरम खनिज के अवैध उत्खनन की पुष्टि हुई थी। जांच में यह भी सामने आया कि उत्खनित मोरम की आपूर्ति सड़क निर्माण कार्य में लगी विभिन्न कंपनियों, जिनमें एमएस विंध्यवासिनी एंटरप्राइजेज भी शामिल है, को की गई थी। सुनील कुमार ने कहा कि यह मामला सरकारी संपत्ति की चोरी एवं राजस्व क्षति से जुड़ा है। जांच प्रतिवेदन के आधार पर 12,09,455 रुपये की वसूली की अनुशंसा को स्वीकृति देते हुए संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी किया गया है। निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं करने पर नीलाम पत्र वाद दायर कर वसूली की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही मामले की सूचना वाणिज्यकर विभाग को भी भेजी गई है, ताकि जीएसटी नंबर से जुड़े क्रय-विक्रय की जांच की जा सके।

न्यूज अपडेट्स

वाहन की टक्कर से युवक जख्मी

मेदिनीनगर : शहर की हृदयस्थली छहमुहान चौक के समीप गुरूवार को वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया। राहगीरों द्वारा जानकारी दिए जाने के बाद यातायात पुलिस के जवानों ने घायल व्यक्ति को इलाज के लिए एमएमसीएच पहुंचाया। फिलहाल घायल व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद भी उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. अस्पताल में तैनात पुलिसकर्मियों के अनुसार घायल व्यक्ति के पास से कुछ नकद रूपए मिले हैं।

आपसी विवाद में चले लाठी-डंडे, छह घायल

मेदिनीनगरः चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हरभोंगा गांव में कल दो परिवारों के बीच हुई मारपीट में एक पक्ष के छह लोग घायल हो गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, गांव के ही एक परिवार के लोगों ने दूसरे परिवार पर डायन बिसाही का आरोप लगाया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच हुई कहा-सुनी मारपीट में बदल गई। घटना के दौरान चले लाठी-डंडे में छह लोग घायल हो गए। फिलहाल सभी घायलों का इलाज एमएमसीएच में चल रहा है। थाना प्रभारी लालजी ने बताया कि घटना में कई लोगों को चोटें आई हैं. जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया हैं। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। आवेदन मिलने के बाद आगे जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

खेल स्वस्थ रहने के लिये साइकिल चलायें : एसडीपीओ

खेल को बढ़ावा देने के लिये सीएम हेमंत प्रतिबद्ध : अनंत

शारीरिक एवं मानसिक विकास में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका : दीपक

विश्व साइकिल दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

खेलो इंडिया अस्मिता महिला साइकिलिंग सिटी लीग में दिखा जोश

विजेता खिलाड़ियों को मिला सम्मान

बंशीधर न्यूज

श्री बंशीधर नगर : विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर गुरुवार को यहां अनुमंडल कार्यालय के मैदान में खेलो इंडिया अस्मिता महिला साइकिलिंग सिटी लीग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक अनंत प्रताप देव, विशिष्ट अतिथि एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह एवं झामुमो के युवा नेता दीपक प्रताप देव ने संयुक्त रूप से प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर किया। तत्पश्चात अनुमंडल मैदान से भव्य साइकिल रैली निकाली गई, जो मुख्य मार्ग से होते हुये कचहरी परिसर, ब्लॉक मोड़ एवं जंगीपुर पावर हाउस तक पहुंची तथा पुनः अनुमंडल मैदान पहुंच कर समाप्त हुई। रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों एवं स्थानीय युवाओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने साइकिल चलाकर स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण एवं सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुये विधायक अनंत प्रताप देव ने कहा कि साइकिल न केवल एक सस्ता और सुलभ परिवहन साधन है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का भी प्रभावी माध्यम है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से साइकिल चलाने और फिट रहने का आह्वान किया। विधायक ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा खेल को बढ़ावा दिया जा रहा है। उनका प्रयास है इंडिया टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने जिस तरह से राष्ट्रीय एवं अंतरास्ट्रीय स्तर पर झारखंड नाम रौशन किया है उसी तरह झारखंड के अन्य खिलाड़ी भी बेहतर खेल का प्रदर्शन कर झारखंड का नाम रौशन कर सकें। उन्होंने प्रतिभागियों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुये उनसे बेहतर प्रदर्शन करने की अपील की। विशिष्ट अतिथि एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह ने कहा कि फिट रहें, साइकिल चलाएं और स्वस्थ शरीर, स्वच्छ पर्यावरण जैसे संदेश समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों और युवाओं को नियमित रूप से खेल गतिविधियों से जुड़ने की प्रेरणा दी। झामुमो के युवा नेता दीपक प्रताप देव ने कहा कि खिलाड़ियों के शारीरिक और मानसिक विकास में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाने से हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है, मोटापा नियंत्रित रहता है और मानसिक तनाव में भी कमी आती है। साथ ही साइकिल के उपयोग से ईंधन की बचत होती है तथा वायु प्रदूषण कम होने से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों को अपनी ओर से हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में जिपस बाला रानी देवी, झामुमो नेत्री किरण देवी एवं वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र चौबे ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। इसके पूर्व गढ़वा जिला खेल प्रभारी ओमप्रकाश गुप्ता एवं आयोजन प्रभारी उज्ज्वल विश्वकर्मा ने सभी अतिथियों को पौधा भेंटकर स्वागत किया। मंच संचालन कमलेश पांडेय ने किया। कार्यक्रम के अंत में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। उस मौके पर झामुमो के मुक्तेश्वर पांडेय, अमरनाथ पांडेय, सूर्यदेव मेहता, महमूद आलम, तस्लीम खान, शमीम खां, सोहन उरांव, टेक्निकल ऑफिशियल सुशील तिवारी, किशोर कुणाल और अजय कांत सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

विजेता खिलाड़ियों को मिला सम्मान

साइकिल रेस के एलीट ग्रुप में प्रियांजलि कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि प्रतिमा कुमारी ने द्वितीय एवं प्रियंका कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सब-जूनियर ग्रुप में प्रतिमा कुमारी ने प्रथम, सुषमा पांडेय ने द्वितीय एवं रूपा कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं जूनियर ग्रुप में हेमा राज ने प्रथम, प्रीति कुमारी ने द्वितीय एवं नंदनी पासवान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि विधायक अनंत प्रताप देव, विशिष्ट अतिथि एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह एवं दीपक प्रताप देव के द्वारा मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम सफल बनाने में इंसानियत ट्रस्ट के सदस्यों ने किया सहयोग

अनुमंडल कार्यालय के मैदान में खेलो इंडिया अस्मिता महिला साइकिलिंग सिटी लीग प्रतियोगिता को सफल बनाने में इंसानियत ट्रस्ट के सदस्यों ने बढ़चढ़ कर सहयोग किया। सहयोग करने वालों में शुभम शर्मा, भारती रंजन, मनीष कुमार, रामाशीष कुमार एवं मुकेश ठाकुर समेत कई लोगों के नाम शामिल हैं। सभी लोगों ने प्रतिभागी खिलाड़ियों के बीच पानी एवं जूस का वितरण कर उनका उत्साहवर्धन किया।

स्वस्थ जीवन व पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर निकली साइकिल रैली

मेदिनीनगर : एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया (एएसआई) के तत्वावधान में स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली की शुरुआत गोलघर स्थित मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर से हुई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए जीएलए कॉलेज गेट तक पहुंची। रैली में चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नियमित शारीरिक व्यायाम, स्वच्छ पर्यावरण तथा पेट्रोल-डीजल की बचत के महत्व का संदेश दिया। प्रतिभागियों ने साइकिल चलाकर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए छोटे-छोटे प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। मौके पर सीएस डॉ अनिल श्रीवास्तव, डॉ. सुशील पांडेय, डॉ. ज्ञान प्रकाश, डॉ. संजय कुमार, डॉ. सतीश कुमार सिंह, डॉ. निशांत समेत बड़ी संख्या में चिकित्सक, मेडिकल छात्र एवं अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। रैली के दौरान वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को देखते हुए साइकिलिंग एक बेहतर विकल्प है। इससे न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ईंधन की बचत में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। रैली का समापन जीएलए कॉलेज गेट पर हुआ, जहां प्रतिभागियों ने नियमित व्यायाम और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

धान बिक्री के 80 हजार रुपये के लिये छह वर्षों से भटक रहा किसान

उंटारी रोड (वेणुगोपाल): प्रखंड के मुरमाखुर्द गांव निवासी किसान सुरेश महतो पिछले छह वर्षों से अपनी धान बिक्री की बकाया राशि प्राप्त करने के लिये सरकारी कार्यालयों का चक्कर काटने को विवश हैं। प्रशासनिक स्तर पर समाधान नहीं मिलने के बाद अब उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। किसान का आरोप है कि धान बिक्री के 80 हजार रुपये बिचौलियों के खाते में भेज दिये गये, जिसके कारण आज तक उन्हें उनकी मेहनत की कमाई नहीं मिल सकी है। सुरेश महतो ने बताया कि उन्होंने 15 मई 2020 को पैक्स के माध्यम से 39 क्विंटल धान की बिक्री की थी। उस समय तत्कालीन पैक्स इंचार्ज रंजीत चक्रवर्ती ने उनका आईडी निष्क्रिय होने की बात कहकर भुगतान किसी अन्य किसान के खाते में करवा दिया। बाद में जानकारी मिली कि उक्त राशि मुन्ना नामक किसान के खाते में गई और वहां से पांडू प्रखंड के डाला कला निवासी डीलर अशोक सिंह के खाते में स्थानांतरित कर दी गई। किसान का कहना है कि जब उन्होंने अपने पैसे की मांग की तो उन्हें लगातार टालमटोल किया गया। इसके बाद उन्होंने पैक्स इंचार्ज रंजीत चक्रवर्ती समेत छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और साजिश के तहत राशि हड़पने का आरोप लगाते हुये पांडू थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई। हालांकि वर्षों बीत जाने के बावजूद न तो उन्हें उनकी राशि मिली और न ही मामले का निष्पादन हो सका। सुरेश महतो ने बताया कि वे जिला प्रशासन, डीसी, मुख्यमंत्री कार्यालय तथा कृषि मंत्री तक अपनी शिकायत पहुंचा चुके हैं। बावजूद इसके कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से वे निराश हैं। अब उन्हें न्यायालय से ही न्याय मिलने की उम्मीद है।

गढ़वा के बाद श्री बंशीधर नगर की लाईफ लाईन बांकी नदी की सफाई शुरू

श्री बंशीधर नगर : गढ़वा के बाद श्री बंशीधर नगर का लाईफ लाईन बांकी नदी की सफाई का कार्य प्रारंभ हो गया। गुरुवार को श्री बंशीधर नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी राजकमल मिश्रा ने पोकलेन के माध्यम से नदी की सफाई का कार्य प्रारंभ कराया। कार्यपालक पदाधिकारी श्री मिश्रा ने बताया कि गुरुवार को बांकी नदी की सफाई का कार्य आमजनों के सहयोग से प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रयास रहेगा कि बांकी नदी की सफाई लंबी दूरी तक कराई जाय ताकि नदी पूरी तरह से स्वच्छ हो सके। उन्होंने कहा कि अभी प्रारंभ में सूर्य मंदिर छठ घाट के पास सफाई कराई जा रही है। ईंधन की कमी भी हो रही है। श्री मिश्रा ने कहा कि बांकी नदी की सफाई चरणबद्ध तरीके से कराई जायेगी। नदी का अतिक्रमण जो लोग किये हुये हैं उसके लिये टास्क फोर्स का गठन किया जायेगा। उसके बाद अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने लोगों से अपील की है कि नदी में घर का कुड़ा कचड़ा नहीं फेंके जो भी कचड़ा है डोर टू डोर कचड़ा उठाने वाले वाहनों में डालें। उन्होंने शहरवासियों से बांकी नदी की सफाई के लिये आगे आने एवं सहयोग करने की अपील की है। उस मौके पर नगर पंचायत के नगर प्रबंधक प्रमेय मंडिलवार, वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र चौबे समेत कई लोग उपस्थित थे।

बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू

मानसून के दौरान अवैध बालू खनन पर रोक

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : मानसून अवधि में अवैध बालू खनन, भंडारण और परिवहन पर रोक लगाने के लिये गढ़वा जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निदेशों तथा पर्यावरणीय संतुलन और जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुये गढ़वा, रंका एवं श्री बंशीधर नगर अनुमंडल क्षेत्रों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। जिला प्रशासन को प्राप्त शिकायतों, निरीक्षण रिपोर्टों और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर यह आशंका जताई गई थी कि मॉनसून प्रतिबंध के बावजूद कुछ नदी घाटों और संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध बालू उठाव एवं परिवहन की गतिविधियां जारी रह सकती हैं। प्रशासन ने कहा कि अवैध खनन से पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचता है। साथ ही नदी तटों का कटाव, जलस्तर में असंतुलन और आम जनजीवन की सुरक्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जारी आदेश के अनुसार तीनों अनुमंडलों के सभी नदी तटों, बालू घाटों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में किसी भी नदी, नाला या जल स्त्रोत से बालू का उत्खनन, उठाव, भंडारण, लोडिंग, अनलोडिंग और परिवहन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। बिना वैध अनुमति कोई भी व्यक्ति, वाहन चालक, ठेकेदार या पट्टाधारक नदी तटीय क्षेत्रों में प्रवेश नहीं कर सकेगा। इसके अलावा प्रतिबंधित क्षेत्रों में रात्रि के समय सामूहिक आवागमन पर भी रोक लगाई गई है। हालांकि धार्मिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक गतिविधियों को इससे छूट दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बीएनएसएस, भारतीय दंड संहिता, खान एवं खनिज अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम तथा एनजीटी के निदेशों के तहत कड़ी कार्रवाई की जायेगी। अवैध खनन में प्रयुक्त वाहनों की जब्ती और प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई भी की जायेगी। जिला प्रशासन ने संबंधित थाना प्रभारियों, अंचल अधिकारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को संवेदनशील नदी घाटों में विशेष निगरानी और नियमित जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया है। साथ ही आम लोगों से अवैध बालू खनन की सूचना प्रशासन को देने की अपील की गई है।

फिल्म समीक्षाः रहस्य, संवेदनाएं और यथार्थ का प्रभावशाली संगम है 'द नर्मदा स्टोरी'

फिल्म समीक्षा: 'द नर्मदा स्टोरी'
कलाकार: रघुबीर यादव, मुकेश तिवारी, अश्विनी कालसेकर, सिमाला प्रसाद, अंजलि पाटिल, जरीना वहाब, इश्तियाक खान, आलोक चटर्जी, सदानंद पाटिल, शरद सिंह, हसन पीरजादा
निर्देशक : जैगम इमाम
निर्माता : एबी इन्फोसॉफ्ट क्रिएशन, गोल्डेन रेशियो फिल्म्स्
आज के दौर में वास्तविक घटनाओं से प्रेरित क्राइम-थ्रिलर फिल्में दर्शकों के बीच खास लोकप्रियता रखती हैं, लेकिन ऐसी कहानियों को विश्वसनीयता और मनोरंजन के संतुलन के साथ पेश करना आसान नहीं होता। निर्देशक जैगम इमाम की 'द नर्मदा स्टोरी' इस चुनौती पर पूरी तरह खरी उतरती है। मजबूत पटकथा, प्रभावशाली अभिनय और अंत तक बरकरार रहने वाले सस्पेंस के दम पर यह फिल्म दर्शकों को अपनी दुनिया में बांधे रखती है।
कहानी : फिल्म की कहानी नर्मदा अंचल में घटित कुछ रहस्यमयी घटनाओं से शुरू होती है, जो धीरे-धीरे एक बड़े और जटिल रहस्य का रूप ले लेती हैं। शुरुआत में साधारण दिखाई देने वाली घटनाएं जांच आगे बढ़ने के साथ कई परतें खोलती जाती हैं। पुलिस की जांच, स्थानीय लोगों की आशंकाएं और सच तक पहुंचने की कोशिश कहानी को लगातार रोचक बनाए रखती है। जैसे-जैसे रहस्य गहराता है, लगभग हर किरदार संदेह के घेरे में नजर आता है। यही वजह है कि दर्शक अंत तक यह जानने के लिए उत्सुक बने रहते हैं कि आखिर असली सच क्या है। फिल्म सिर्फ अपराध और जांच तक सीमित नहीं रहती, बल्कि समाज, विश्वास और मानवीय संवेदनाओं को भी अपनी कहानी का हिस्सा बनाती है।
निर्देशन : जैगम इमाम का निर्देशन फिल्म की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। उन्होंने कहानी को बिना किसी अनावश्यक नाटकीयता के बेहद सहज और यथार्थवादी अंदाज में प्रस्तुत किया है। फिल्म का परिवेश, किरदार और घटनाएं इतनी स्वाभाविक लगती हैं कि दर्शक खुद को कहानी का हिस्सा महसूस करने लगते हैं। निर्देशक ने सस्पेंस को धीरे-धीरे विकसित किया है, जिससे फिल्म का प्रभाव और गहरा हो जाता है। नर्मदा क्षेत्र की खूबसूरत लोकेशंस को जिस संवेदनशीलता और वास्तविकता के साथ पर्दे पर उतारा गया है, वह फिल्म को एक अलग पहचान देता है।
अभिनय : फिल्म में सबसे अधिक प्रभावित सिमाला प्रसाद करती हैं। एक पुलिस अधिकारी के रूप में उनका आत्मविश्वास, संतुलन और स्क्रीन प्रेजेंस कहानी को मजबूती देता है। कई महत्वपूर्ण दृश्यों में वह पूरी फिल्म का भार अपने कंधों पर उठाती नजर आती हैं। रघुबीर यादव अपने अनुभवी अभिनय से हर दृश्य में गहराई जोड़ते हैं, जबकि मुकेश तिवारी भी अपने किरदार को पूरी सच्चाई के साथ निभाते हैं। अश्विनी कालसेकर, अंजलि पाटिल और जरीना वहाब अपने-अपने किरदारों में प्रभाव छोड़ती हैं और फिल्म के भावनात्मक पक्ष को मजबूत बनाती हैं। फिल्म में सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करते हैं इश्तियाक खान और सदानंद पाटिल। दोनों कलाकारों ने किन्नर पात्रों को जिस संवेदनशीलता और प्रभाव के साथ निभाया है, वह बेहद सराहनीय है। विशेष रूप से इश्तियाक खान का किरदार लंबे समय तक याद रह जाता है।
तकनीकी पक्ष : फिल्म तकनीकी रूप से भी काफी मजबूत है। सिनेमैटोग्राफी नर्मदा क्षेत्र की खूबसूरती और रहस्यपूर्ण माहौल को प्रभावशाली तरीके से कैद करती है। बैकग्राउंड म्यूजिक कई दृश्यों में तनाव और रोमांच को बढ़ाता है, जबकि कसा हुआ संपादन फिल्म की गति को बनाए रखता है। फिल्म कहीं भी अनावश्यक रूप से लंबी या बोझिल महसूस नहीं होती, जो इसकी बड़ी उपलब्धि है।
फाइनल वर्डिक्ट : 'द नर्मदा स्टोरी' सिर्फ एक क्राइम-थ्रिलर नहीं, बल्कि यथार्थ, संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी एक प्रभावशाली कहानी है। फिल्म पुलिस और समाज के रिश्तों, भरोसे और जिम्मेदारी जैसे मुद्दों को भी छूती है, जिससे इसका प्रभाव और गहरा हो जाता है। दमदार अभिनय, मजबूत निर्देशन, शानदार लोकेशंस और अंत तक बनाए रखने वाला सस्पेंस इसे एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव बनाते हैं। अगर आपको ऐसी क्राइम-थ्रिलर फिल्में पसंद हैं जो वास्तविक घटनाओं की जमीन पर खड़ी हों और अंत तक दर्शकों को बांधे रखें, तो 'द नर्मदा स्टोरी' इस सप्ताह जरूर देखी जाने वाली फिल्म है।

नशीले पदार्थों से दूर रहें युवा

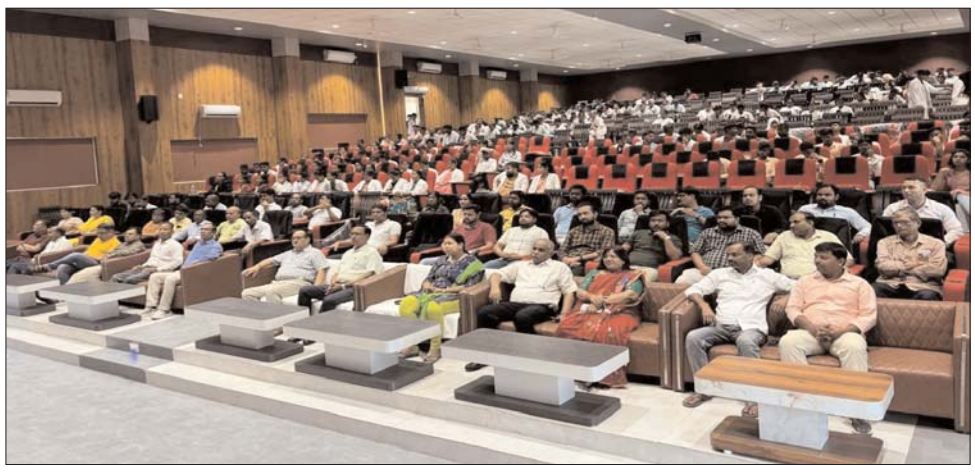

नशा मुक्ति जागरूकता कार्यशाला

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध चलाये जा रहे जागरूकता अभियान के दूसरे दिन विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय नशीले एवं मादक पदार्थों का दुरुपयोग, उसके दुष्परिणाम, उपचार तथा बचाव रखा गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं विश्वविद्यालय कर्मियों ने भाग लिया। कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य एवं जनस्वास्थ्य विशेषज्ञ के रूप में डॉ शुभ्राजयंत पवार उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि नशे की लत व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन पर गंभीर प्रभाव डालती है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशीले पदार्थों से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिये तथा सकारात्मक गतिविधियों में अपनी सहभागिता बढ़ानी चाहिये। डॉ पवार ने विद्यार्थियों को नशा-निवारण और उपचार से संबंधित उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देते हुये कहा कि जागरूकता ही नशे के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं कुलपति ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्ति के व्यक्तित्व, शिक्षा और भविष्य को गहराई से प्रभावित करता है। उन्होंने छात्रों से अनुशासित, सकारात्मक और लक्ष्य-उन्मुख जीवन अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं जागरूक युवा पीढ़ी ही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुनीता गुप्ता ने किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त समाज निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

शिक्षण सहायक सामग्री कार्यशाला के बाद मॉडल प्रदर्शनी, प्रशिक्षुओं ने रचनात्मक प्रस्तुतियों से किया प्रदर्शन

गढ़वा : बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय के परिसर स्थित दिनेश कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सेमिनार कक्ष में फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, योगा, स्पोर्ट्स साइंस एंड फिजिकल एजुकेशन के तत्वावधान में शिक्षण सहायक सामग्री पर कार्यशाला के उपरांत मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीएड एवं डीएलएड के सभी प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को शिक्षण सहायक सामग्री के उपयोग, निर्माण एवं प्रदर्शन के नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रदर्शनी में प्रशिक्षुओं ने विभिन्न मॉडल प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक आनंद कुमार चौबे ने किया। उन्होंने शिक्षण प्रक्रिया में सहायक सामग्री के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि यह विद्यार्थियों की समझ को सरल और प्रभावी बनाती है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ सुनीता गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षण सहायक सामग्री से अध्यापन अधिक रुचिकर बनता है और यह कक्षा शिक्षण को जीवंत रूप प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक को अपने शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए इसका नियमित उपयोग करना चाहिये। इस अवसर पर फामेर्सी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनीष दुबे, इंजीनियरिंग विभाग के डीन डॉ पंकज कुमार, लॉ विभाग से किरण वर्मा, सुनील कुमार सिंह, प्राध्यापक शशिकांत सिंह यादव, अरविंद कुमार तिवारी, सतीश कुमार बिंद, प्रशांत कुमार ओझा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

अमेरिका-ईरान के बीच संघर्ष, ओमान में जहाज पर हमला, 20 भारतीय सही सलामत

मस्कट (ओमान)/तेहरान (ईरान)/वाशिंगटन (अमेरिका)/नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के हमलों के बीच आज ओमान से भारत के लिए अच्छी खबर नहीं आई। ओमान में कमर्शियल जहाज पर हमले की पुष्टि भारत सरकार ने कर दी है। इसमें 20 भारतीय नाविक सवार हैं। सुकून यह है कि सभी सही सलामत हैं। ईरान की सेना ने अमेरिकी हमलों के जवाब में ड्रोन और मिसाइल की बौछार कर बहरीन, कुवैत और जॉर्डन को दहला दिया है। पूरा मध्य पूर्व तनाव से हिल गया है। चीन से सभी पक्षों से पीछे लौटने की अपील की है। ईरान ने कहा है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद कर दिया है। टाइम्स ऑफ ओमान, अल जजीरा, गल्फ न्यूज, सीबीएस न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार भारत ने अमेरिका से फारस की खाड़ी इलाके में जहाजों पर हमले रोकने को कहा है। इस जहाज पर हमले से पहले ऐसी ही घटना में तीन भारतीयों की मौत हो चुकी है। भारत ने कड़ी चिंता जताते हुए अमेरिका से होर्मुज जलडमरूमध्य के पास जहाजों पर हमले रोकने को कहा है। नई दिल्ली में आज संवाददाता सम्मेलन में भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि एमटी सेटेबेलो जहाज पर हमले के बाद अमेरिकी पक्ष के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। भारत के विदेश मंत्रालय के सचिव असीम महाजन ने आज बताया कि आज ही ओमान के तट के पास एक और कमर्शियल जहाज एमटी जलवीर पर भी हमला किया गया। गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले इस जहाज पर 20 भारतीय क्रू मेंबर है। सभी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। ओमान में भारतीय दूतावास ने कहा है कि वह उत्तरी ओमान के शिनास पोर्ट के पास एक जहाज से जुड़ी घटना पर बारीकी से नजर रख रहा है और क्रू की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रहा है। दूतावास ने पुष्टि की कि एमटी जलवीर से क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इसमें रॉयल नेवी ऑफ ओमान की मदद ली गई। उल्लेखनीय है कि शिनास पोर्ट ओमान के नॉर्थ अल बातिनाह गवर्नरेट में स्थित है और देश के समुद्री व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है। मौजूदा परिदृश्य पर ईरानी अधिकारी ने कहा कि जब तक अमेरिका ईरान के हितों का सम्मान नहीं करता, तब तक युद्ध जारी रहेगा। अधिकारी मोहम्मद मोखबेर ने कहा कि भविष्य में अमेरिका के किसी भी हमले का ईरान और भी कड़े और जोरदार तरीके से जवाब देगा।

शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में तीन आरोपी गिरफ्तार

श्री बंशीधर नगर : पुलिस ने थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवतियों के साथ शारीरिक संबंध बनाने एवं शादी से इंकार करने के तीन अलग-अलग मामलों के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किये गये आरोपियों में पुरनानगर के तौफीक आलम, जंगीपुर के मुकेश मिंज एवं बिलासपुर के सत्येंद्र कुमार पासवान के नाम शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक हाल के दिनों में थाना क्षेत्र में युवतियों को बहला-फुसलाकर शारीरिक संबंध बनाने एवं शादी का प्रलोभन देकर शोषण करने के मामलों में काफी तेजी से वृद्धि हुई है। पिछले एक माह के भीतर ऐसे एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज किये गये हैं। पुलिस ने मामले की गहनता से जांच पड़ताल करने के बाद कार्रवाई की है। पुलिस ने युवतियों एवं अभिभावकों से सतर्क रहने की अपील करते हुये कहा है कि किसी भी प्रकार के बहकावे, झांसे या प्रलोभन में न आयें। ऐसे मामलों की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

भारत-अफगानिस्तान वनडे : धर्मशाला पंहुची दोनों टीमें, बारिश की ठंडी फुहारों ने किया मेहमान टीम का स्वागत

आज स्टेडियम में नेट प्रैक्टिस करेगी दोनों टीमें, मैच कल, वर्षा की आशंका

धर्मशाला। आईपीएल के कुछ दिनों बाद ही धर्मशाला में एक बार फिर क्रिकेट का रोमांच लौट आया है। इस बार टीम इंडिया और अफगानिस्तान के बीच एकदिवसीय मैच का रोमांच क्रिकेट प्रेमियों को देखने को मिलेगा। टीम इंडिया और अफगानिस्तान के बीच खेली जाने वाली तीन एकदिवसीय मैचों की सीरिज के 13 जून को पहले मैच का गवाह एचपीसीए का धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम बनने जा रहा है। इसी कड़ी में वीरवार को दोनों टीमें धर्मशाला की वादियों में पंहुच गई हैं। वीरवार को दिन में पहले भारतीय टीम धर्मशाला पंहुची जिसके बाद मेहमान टीम अफगानिस्तान भी धर्मशाला पंहुची। दोनों टीमों के खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गगल एयरपोर्ट से धर्मशाला स्थित होटल ब्लू रिजेंसी पंहुचाया गया। इससे पूर्व कांगड़ा के गग्गल एयरपोर्ट और होटल पहुंचने पर दोनों टीमों का पहाड़ी संस्कृति में स्वागत किया गया। वहीं एयरपोर्ट पर टीम इंडिया के खिलाड़ियों की एक

झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। फैंस ने 'इंडिया-इंडिया' के नारे लगाकर खिलाड़ियों का स्वागत किया। कड़े सुरक्षा घेरे के बीच खिलाड़ियों को उनके होटल पहुंचाया गया। 13 जून को होने वाले इस मैच से पहले दोनों ही टीमें कल शुक्रवार को स्टेडियम पंहुचकर नेट में अभ्यास करेंगी। तय कार्यक्रम के मुताबिक मेहमान टीम अफगानिस्तान शुक्रवार को दिन में डेढ़ बजे से साढ़े चार बजे तक नेट पर पसीना बहाएगी जबकि दूसरे सेशन में शाम को साढ़े पांच बजे से साढ़े आठ बजे तक टीम इंडिया स्टेडियम में नेट प्रैक्टिस करेगी। गौरतलब है कि धर्मशाला की पिच आमतौर पर तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है, जिस पर दोनों टीमें अपनी रणनीति तैयार करेंगी। दोपहर बाद गगल एयरपोर्ट पंहुची अफगानिस्तान की टीम का बारिश की ठंडी फुहारों ने स्वागत किया। मेहमान टीम जैसे ही एयरपोर्ट पर उतरी तो मौसम ने अचानक रंग बदला और तेज हवाओं के साथ बारिश की बौछार पड़ने लगी। मोहाली के गर्म मौसम का सामना करने के बाद यहां पंहुची दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने इस सुहावने मौसम का खूब आनंद उठाया। उधर मौसम विभाग ने मैच के दिन मौसम साफ रहने का अनुमान जताया है, जिससे पूरे 100 ओवर का खेल होने की उम्मीद है। वहीं अगर पिच की बात करें तो शुरूआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को स्विंग मिलने की संभावना है, लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ेगा, बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान हो सकता है। मैच को देखते हुए जिला प्रशासन और कांगड़ा पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। स्टेडियम के चारों ओर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। दर्शकों की भारी भीड़ के मद्देनजर धर्मशाला और मैकलोडगंज के लिए ट्रैफिक रूट में भी बदलाव किया गया है, ताकि जाम की स्थिति से बचा जा सके। वहीं, स्थानीय होटलों और होमस्टे में भी 90 प्रतिशत से ज्यादा बुकिंग हो चुकी है, जिससे स्थानीय पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिले हुए हैं। इससे पूर्व धर्मशाला में आईपीएल सीजन के हुए चार मैचों के दौरान भी होटल और पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों ने अच्छी कमाई की थी।

प्रभात टुडे नेटवर्क के लिए राधेरमण चौबे द्वारा गुलाब मेमोरियल मार्केट श्री बंशीधर नगर गढ़वा झारखंड से प्रकाशित, प्रधान संपादक–धीरेन्द्र चौबे, संपादक–धर्मेन्द्र कुमार चौबे* फोन : 9471737671, web-www.banshidharnews.com-Email-prabhatodaynetwork@gmail.com, *समाचारों के चयन के लिए पी.आर.बी एक्ट के तहत जिम्मेदार (सभी वादों का निपटारा नगर ऊंटारी अनुमंडलीय न्यायालय के अधीन होगा)